भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

राज्य सभा

लिखित प्रश्न सं. 3180 #

गुरूवार, 27 मार्च, 2025/6 चैत्र, 1947 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

उत्तर प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करना

3180 # श्री तेजवीर सिंह:

क्या **पर्यटन** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को उत्तर प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि तथा 2024 तक पर्यटकों की संख्या 65 करोड़ तक पहुंचने की जानकारी है;

(ख) पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश आने वाले घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों की संख्या का ब्यौरा क्या है;

(ग) बुनियादी ढांचे के विकास, नीतिगत हस्तक्षेप और प्रचार अभियान सहित इस वृद्धि में योगदान देने वाले कारक क्या हैं;

(घ) उत्तर प्रदेश में पर्यटन को और बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा की गई पहलों का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या सरकार इस वृद्धि को बनाए रखने के लिए परिवहन संपर्कता, आवास और सुरक्षा उपायों सहित पर्यटन बुनियादी ढांचे में सुधार करने का विचार रखती है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत)

(क) और (ख): जी हाँ। वर्ष 2022 से 2024 तक उत्तर प्रदेश में आने वाले स्वदेशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या (डीटीवी और एफटीवी) का विवरण इस प्रकार है:

वर्ष	स्वदेशी पर्यटक (लाख में)	विदेशी पर्यटक (लाख में)	कुल (लाख में)
2022	3179.13	6.50	3185.63
2023	4785.26	16.01	4801.27
2024 (अनन्तिम)	6468.07	22.69	6490.76

स्रोत: राज्य पर्यटन विभाग

(ग) से (ङ): यह वृद्धि मुख्य रूप से महामारी के बाद वैश्विक यात्रा की स्थिति में फिर से सुधार और वैविध्यपूर्ण और सांस्कृतिक दृष्टि से समृद्ध गंतव्य के प्रति बढ़ते विश्वास से प्रेरित रही है। विमान कनेक्टिविटी में वृद्धि के कारण प्रमुख पर्यटन स्थलों तक पहुँचने की स्थिति में सुधार हुआ है, जबकि पर्यटन अवसंरचना में निरंतर विकास होने से आगंतुकों के अनुभव में वृद्धि हुई। इसके

अतिरिक्त, लक्षित घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय विपणन अभियानों से वैश्विक अपील को बल मिला, जिससे भ्रमण के लिए आने वाले विश्व के यात्रियों के लिए उत्तर प्रदेश प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित हुआ है।

पर्यटन मंत्रालय घरेलू और वैश्विक, दोनों बाजारों में उत्तर प्रदेश सहित भारत के पर्यटन स्थलों और उत्पादों को बढ़ावा देता है। यह संवर्धन कार्य विभिन्न कार्यक्रमों और सोशल मीडिया सहित विभिन्न पहलों के माध्यम से किया जाता है।

पर्यटन मंत्रालय राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय एजेंसियों को घरेलू संवर्धन और प्रचार सहित आतिथ्य (डीपीपीएच), 'स्वदेश दर्शन', राष्ट्रीय 'तीर्थस्थल जीर्णोद्धार एवं आध्यात्मिक, विरासत संवर्धन अभियान मिशन (प्रशाद)' और 'पर्यटन अवसंरचना विकास योजनाओं के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता' नामक योजनाओं के तहत पर्यटन से संबंधित अवसंरचना के विकास और संवर्धन के लिए वित्तीय सहायता भी प्रदान करता है।

पिछले पांच वर्षों के दौरान, उत्तर प्रदेश राज्य में उपर्युक्त योजनाओं के तहत स्वीकृत परियोजनाओं, आवंटित धनराशि का विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

इसके अलावा, महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों के लिए हवाई संपर्क में सुधार के लिए, पर्यटन मंत्रालय ने नागर विमानन मंत्रालय के साथ उनकी आरसीएस-उड़ान योजना के तहत सहयोग किया है। अब तक, 53 पर्यटन मार्गों को प्रचालनात्मक बनाया जा चुका है।

पर्यटकों की सुरक्षा अनिवार्य रूप से राज्य सरकार का विषय है। इसे ध्यान में रखते हुए, पर्यटन मंत्रालय ने समर्पित पर्यटन पुलिस की स्थापना के लिए सभी राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों के साथ इस मामले को उठाया है। पर्यटन मंत्रालय के प्रयासों से, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गोवा, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, मध्य प्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, सिक्किम और उत्तर प्रदेश की राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों ने किसी न किसी रूप में पर्यटक पुलिस की तैनाती की है।

*****

अनुबंध

श्री तेजवीर सिंह द्वारा उत्तर प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में वृद्धि करने के संबंध में दिनांक 27.03.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा के लिखित प्रश्न संख्या 3180 # के भाग (ग) से (ङ) के उत्तर में **विवरण**

1. उत्तर प्रदेश में प्रशाद योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृति वर्ष**	**अनुमोदित लागत**
1	मथुरा-वृंदावन का मेगा पर्यटक सर्किट के रूप में विकास (चरण-II)	2014-15	10.98
2	वृंदावन में पर्यटक सुविधा केंद्र का निर्माण	2014-15	9.36
3	वाराणसी - चरण-I का विकास	2015-16	18.73
4	वाराणसी में नदी क्रूज पर्यटन का विकास	2017-18	9.02
5	वाराणसी - चरण-II का विकास	2017-18	44.6
6	गोवर्धन में अवसंरचना सुविधाओं का विकास।	2018-19	37.59

2. उत्तर प्रदेश में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परिपथ/स्वीकृति वर्ष**	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत राशि**	**जारी की गई राशि**
1	बौद्ध परिपथ 2016-17	श्रावस्ती, कुशीनगर कपिलवस्तु का विकास	87.89	72.56
2	रामायण परिपथ 2016-17	चित्रकूट एवं श्रृंगवेरपुर का विकास	69.45	64.09
3	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	अहर - अलीगढ़ - कासगंज - सरोसी (उन्नाव) - प्रतापगढ़ - कौशांबी - मिर्जापुर - गोरखपुर - डुमरियागंज - बस्ती - बाराबंकी - आजमगढ़ - कैराना - बागपत - शाहजहांपुर का विकास	71.91	69.63
4	आध्यात्मिक परिपथ 2016-17	बिजनौर - मेरठ - कानपुर - कानपुर देहात - बांदा - गाजीपुर - सलेमपुर - घोसी - बलिया - अम्बेडकरनगर - अलीगढ़ - फतेहपुर - देवरिया - महोबा - सोनभद्र - चंदौली - मिश्रिख - भदोही का विकास	67.51	64.14
5	विरासत परिपथ 2016-17	कालिंजर किला (बांदा) का विकास - मगहर धाम (संतकबीर नगर) - चौरी चौरा, शहीद स्थल	36.65	36.65

		(फतेहपुर) - महुआर शहीद स्थल (घोसी) - शहीद स्मारक (मेरठ)		
6	रामायण परिपथ 2017-18	अयोध्या का विकास	127.21	115.46
7	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	जेवर - दादरी - सिकंदराबाद - नोएडा - खुर्जा - बांदा का विकास	12.03	11.43
8	आध्यात्मिक परिपथ 2018-19	गोरखनाथ मंदिर (गोरखपुर), देवीपट्टन मंदिर (बलरामपुर) एवं वटवासिनी मंदिर (डुमरियागंज) का विकास	18.30	18.12

3. उत्तर प्रदेश में स्वदेश दर्शन 2.0 के तहत स्वीकृत परियोजनाओं की सूची

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**गंतव्य**	**हस्तक्षेप का नाम**	**स्वीकृत लागत**
1	प्रयागराज	आज़ाद पार्क और देखो प्रयागराज ट्रेल एक्सप्रेस	13.02
2	नैमिषारण्य	वैदिक- कल्याण अनुभव	15.94

4. पूंजी निवेश के लिए राज्यों को विशेष सहायता (एसएएससीआई योजना) - उत्तर प्रदेश में वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठित पर्यटन केंद्रों का विकास

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**परियोजना का नाम**	**स्वीकृत लागत**
1.	जिला-आगरा में बटेश्वर का विकास	74.05
2.	श्रावस्ती में एकीकृत बौद्ध पर्यटन विकास	80.24

5. उत्तर प्रदेश में पर्यटन अवसंरचना विकास योजना के लिए केंद्रीय एजेंसियों को सहायता

(करोड़ रु. में)

क्र.सं.	**स्वीकृति तिथि**	**परियोजना का नाम**	**अभिकरण**	**स्वीकृत राशि**
1	28-02-2015	वाराणसी/सारनाथ में स्मारकों की रोशनी (सारनाथ में धमेख स्तूप, सारनाथ में चौखंडी स्तूप, सारनाथ में लालकन का मकबरा और बनारस में मान महल)	आईटीडीसी	5.12
2	21-12-2017	उत्तर प्रदेश के वाराणसी में तीन स्मारकों पर रोशनी प्रकाश व्यवस्था - 1. दशाश्वमेध घाट से दरभंगा घाट (300 मीटर का विस्तार) 2. तुलसी मानस मंदिर 3. सारनाथ संग्रहालय	सीपीडब्ल्यूडी	2.94

6. डीपीपीएच योजना के अंतर्गत मेलों, पर्वों और पर्यटन संबंधी कार्यक्रमों के आयोजन के लिए उत्तर प्रदेश को वित्तीय सहायता

(लाख रु. में)

वर्ष	मेलों और महोत्सवों के नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि
2019-20	गंगा महोत्सव - वाराणसी	15.00	15.00
	दीपोत्सव, अयोध्या	25.00	25.00
	ताज महोत्सव, आगरा	10.00	10.00
2022-23	फिरोजाबाद महोत्सव	25.00	25.00
2023-24	फिरोजाबाद महोत्सव	25.00	25.00
	हाथरस महोत्सव	25.00	25.00

*****